अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

24 अकबर रोड नई दिल्ली–110011

मीडिया विभाग

पत्रकार वार्ता के मुख्य बिन्दु बुधवार 09 नवम्बर, 2011 सायं–4.15

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित किया ।

श्री राशिद अलवी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले मेरी और मेरी पार्टी की पूरी सहानुभूति उन तमाम परिवारों के साथ है जिनके परिवारजनों की हरिद्वार में गायत्री महाकुम्भ मेले में मृत्यु हुई अथवा उसमें जख्मी हुए। लेकिन इसके साथ–साथ मुझे यह भी कहना है कि वहां की सरकार को इस सिलसिले में पूरे इंतजाम करने चाहिए थे। जो इंतजाम किए गए थे वो पर्याप्त नहीं थे। कहीं न कहीं पशासन की चूक इस मामले में नजर आती है और इसके साथ–साथ हमारा यह भी मानना है कि ऐसे अवसरों पर जहां लगभग बीस लोग मारे गए, पचास या उससे अधिक जख्मी हुए, बड़े नेताओं को वहां नहीं जाना चाहिए जिससे प्रशासन के प्रबंधन में गड़बड़ होती है, जो लोग मारे गए उनके मृत शरीर को निकालने में और घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने में परेशानी होती है क्योंकि वहां के अधिकारीगण और पुलिसकर्मी, जो बड़े नेता वहां जाते हैं उनकी ड्यूटी में लग जाते हैं इसका सदैव ध्यान रखना चाहिए। वहां पर जो लोग पहुंचे हैं, भविष्य में हम आशा करते हैं कि इस तरह का कुछ नहीं होना चाहिए।

श्री राशिद अलवी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी जी के भाषण की प्रतिलिपि आपको मिल गई होगी जिसमें उन्होंने उत्तराखण्ड में एक नई रेलवे लाईन बिछाने की बात की है, भ्रष्टाचार से लड़ने की प्रतिबद्धता जिसमें कहा गया है कि भ्रष्टाचार के विरूद्ध सबसे पहले लड़ाई कांग्रेस पार्टी ने शुरू की। भ्रष्टाचार कहीं भी हो, हम उसके विरूद्ध हैं। कांग्रेस पार्टी को अगर कहीं भी भ्रष्टाचार नजर आता है तो छान–बीन पूरी होने से पहले ही, हम जो कदम उठा सकते थे उसके विरूद्ध कदम उठाए। लोकपाल बिल की सबसे पहले अगर किसी ने चिंता की तो वो कांग्रेस पार्टी ही थी। भ्रष्टाचार के विरूद्ध हमारी वचनवद्धता है कि अगर यह किसी भी व्यक्ति के विरूद्ध होगा तो, उसके खिलाफ हमारी लड़ाई सदा रहेगी और सबको

मिलकर वो लड़ाई लड़नी चाहिए तभी भ्रष्टाचार जो हर स्तर पर है, वो समाप्त हो सकता है।

एक प्रश्न पूछे जाने पर कि श्रीमती सोनिया गांधी स्वयं क्यों नहीं जा पाईं उत्तराखण्ड में श्री राशिद अलवी ने कहा कि वे अस्वस्थता के कारण नहीं जा पाईं, इसका कोई और अर्थ नहीं निकालना चाहिए।

उत्तराखण्ड में कांग्रेस अध्यक्षा जी के पढ़े हुए भाषण के विषय में पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी जी ने अपने भाषण में बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि लोकपाल बिल की चिन्ता सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ने की। हम ही लोकपाल बिल चाहते थे और यह सरकार की वचनबद्धता है कि एक सशक्त लोकपाल बिल बनना चाहिए और हम उससे यकीनन रूप में कामयाब होंगे। आने वाले शरदकालीन सत्र में इसको पेश किया जाए और आशा करते हैं कि वो बिल संसद में पास हो जाए।

भाजपा के नेताओं की कांग्रेस अध्यक्षा जी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया किए जाने पर जहां यह कहा गया है कि भाषण देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं होगा, क्या यह आडवाणी जी की रथ–यात्रा को लेकर प्रेरित तो नहीं था, ऐसा प्रश्न पूछे जाने पर श्री राशिद अलवी ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में मुझे आश्चर्य होता है कि भाजपा भ्रष्टाचार की बात करती है, यह बात हम लगातार कहते चले आ रहे हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में अगर कांग्रेस पार्टी एवं सरकार को कहीं भी ऐसा लगा है तो इससे पहले कि छान–बीन समाप्त हो हुई हो, अदालत का निर्णय आया हो, कांग्रेस पार्टी एवं सरकार ने उन व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की है। जब कि सच्चाई यह है कि भाजपा और विशेष रूप से आडवाणी जी ने खुद कहा है कि उन्होंने येदियुरप्पा जी को मैंने कई बार समझाया, इसकी विस्तृत रूप से उन्होंने जानकारी नहीं दी। लेकिन उन्होंने कहा था कि जिस तरीके से येदियुरप्पा जी भ्रष्टाचार में शामिल थे, मैंने उनको कई बार समझाया है। इसका अर्थ है कि आडवाणी जी को मालूम था कि येदियुरप्पा जी भ्रष्टाचार में शामिल हैं। क्योंकि इस विषय में आडवाणी जी खामोश रहे, क्या कार्रवाई की आडवाणी जी ने येदियुरप्पा जी के खिलाफ। कितनी बार ऐसा बयान उन्होंने समाचार पत्रों में दिया और कर्नाटक के भ्रष्टाचार में केवल येदियुरप्पा ही शामिल नहीं हैं, कितने मंत्री शामिल हैं, रोज एक नया नाम आ जाता है। उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री पर भी आरोप है, जूदेव जी पर आरोप है, बंगारू लक्ष्मण की सीडी पूरे देश ने देखी है, इसके बावजूद भी अगर

आडवाणी जी एवं भाजपा व उनका कोई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार की बात करता है तो मैं तो केवल इतना कहूंगा जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूं कि "किस मुंह से जाओगे काशी, शर्म तुमको अगर नहीं आती"।

उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में विभाजित करने के विषय में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा–पत्र में इस विषय में कहा है और हम उसके प्रति वचनबद्ध हैं और पूरा करना चाहेंगे और इस मामले में हम चाहते हैं कि कमीशन बनना चाहिए क्योंकि यह मामला पूरे देश का है केवल उत्तर प्रदेश का ही नहीं है, पूरे देश में इसके सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी देश के हित में निर्णय लेती है, कमीशन की ही सिफारिशों पर फैसला होना चाहिए।

महंगाई पर यूपीए के घटक दलों द्वारा टिप्पणी किए जाने पर कांग्रेस पार्टी की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर श्री राशिद अलवी ने कहा कि एनडीए की सरकार में महंगाई कोई कम नहीं थी। और उस समय तो पूरे विश्व में आर्थिक स्थिति ठीक थी। आज पूरी दुनिया में आर्थिक मंदी है, ऐसे हालात में महंगाई बढ़ी है। हम चिंतित हैं और सरकार की पूरी कोशिश है कि कैसे इस महंगाई को काबू में लाया जाए। हमें पूर्ण आशा है कि सरकार शीघ्र ही कदम उठाएगी जिससे महंगाई का आम–आदमी पर बोझ कम हो सके।

2002 के दंगों में गुजरात में कुछ लोगों को जिंदा जला दिया गया था, आज अदालत ने इस पर अपना निर्णय दिया है, और कुछ लोगों को दोषी माना है इस पर कांग्रेस पार्टी की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर श्री राशिद अलवी ने कहा कि अदालत का फैसला हमारे लिए आदरणीय है। अगर किसी को इस निर्णय पर एतराज है तो वह उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। परन्तु यह भी सच है कि वहां पर जिंदा लोगों को जलाया गया था। जिन लोगों को जलाया गया था, उनके परिवारों के साथ हमारी पूरी सहानुभूति है। और यह कहने में हमें कोई झिझक नहीं कि उस घटना के लिए गुजरात की सरकार जिम्मेदार है।

तेलंगाना पृथक राज्य के विषय में पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि इस विषय पर बेहतर जानकारी आंध्र प्रदेश के प्रभारी महासचिव दे पाएंगे।

श्री दिग्विजय सिंह जी के एक वक्तव्य कि आर.एस.एस और भाजपा नकली संत तैयार करती है, इस पर कांग्रेस पार्टी की प्रतिक्रिया पूछे जाने पर श्री राशिद अलवी ने कहा कि उनको इसकी जानकारी नहीं है, बेहतर रहेगा कि अगर यह प्रश्न उन्हीं से पूछा जाए।

एक और प्रश्न पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस पार्टी ऐसे किसी बिल का अनुमोदन करेगी अगर सुश्री मायावती यूपी को चार हिस्सों में विभाजन का बिल लाती है, श्री राशिद अलवी ने कहा कि अगर ऐसा अवसर आया तो उचित समय पर हम इसका उत्तर देंगे।

विदेश मंत्री श्री एस.एम कृष्णा एवं जॉर्ज बुश सीनियर पर पूछे गए एक प्रश्न के वक्तव्य के उत्तर में श्री राशिद अलवी ने कहा कि यह बेहतर होगा अगर यह प्रश्न विदेश मंत्रालय के किसी वरिष्ठ अधिकारी से पूछा जाए, क्योंकि वे विदेश के मामलों को देखते हैं।

(टॉम वडक्कन)
मीडिया सचिव